Pakistani Remote Controlled Pilotless Vehicle

*355. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that no wreckage of the Pakistani Remote Controlled Pilotless Vehicle (RPV) shot down over Bhuj was recovered around the site;

(b) if so, whether it is a fact that the Pakistani RPV is likely to have managed to escape and was not really shot down; and

(c) whether the Pakistani RPVs stray into Indian airspace under the cover of civilian planes and go unnoticed; if so, the Government's reaction thereto for security of Indian airspace against espionage and surveillance by foreign aircrafts?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI MULAYAM SINGH YADAV): (a) to (c) In January, 1997, the Indian Air Force sighted an intrusion by a remotely piloted vehicle (RPV). Since this was an unlawful intrusion into Indian airspace, it attempted to intercept the RPV, and also fired at it. Although the RPV was seen to be hit, due to inhospitable terrain and marshy land, no debris has been recovered. There have been stray violations -of Indian airspace from across the borders in the past as well, which were taken up with the neighbouring country concerned. Steps have also been taken to prevent such intrusions in future.

गुजरात दूरसंचार सर्कल द्वारा उपयोग न की गई धनराशि का लौटाया जाना

.365***श्री गोपाल सिंह जी 0सोलंकी** :क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

)क (वर्ष 96-1995के दौरान ,सरकार द्वारा गुजरात सर्कल को आबंटित की गई धनराशि का अद्यतन जिला-वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) सर्कल द्वारा कितनी धनराशि उपयोग में लाई गई। लौटाई गई:

(ग) गुजरात में दूरसंचार व्यवस्था में सुधार लाने के लिए आबंटित की गई धनराशि को लौटाने के क्या कारण है;

(घ) क्या उक्त अवधि के दौरान देश के किसी अन्य दूरसंचार सर्कल ने भी सरकार द्वारा आबंटित की गई धनराशि में से कोई धनराशि लौटाई है ;और

(ड़) यदि हां ,तो सत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण है?

संचार मंत्री)श्री बेनी प्रसाद वर्मा) :(क-1995 (96के दौरान गुजरात दूरसंचार सर्कल को 4742190हजार रुपये की राशि आबंटित की गई थी। जिला-वार ब्यौरा विवरण में संलग्र है।)नीचे देखिए(

)ख 4681743(हजार रुपये की राशि का प्रयोग , सर्कल द्वारा किया गया है और शेष 60447हजार रुपये अप्रयुक्त रह गए हैं

)ग 60447(हजार रुपये की राशि ,भूमि अधिग्रहण संबंधी मामलों को अंतिम रूप न दिए जाने के कारण प्रयोग नहीं की जा सकी ।

)घ(और)ड :(जी हां। कुछ दूरसंचार सर्कलों ने 96-1995के दौरान आबंटित रकम का कुछ अंश निम्रानुसार अभ्यर्पित कर दिया है।

दूरसंचार सर्किल	अभ्यर्पित रकम)करोड़ रुपये में(
मध्य प्रदेश दूरसंचार	55.00
बिहार दूरसंचार	37.07
कलकत्ता परियोजनाएं	40.00
ए एलटीटीसी , गाजियाबाद	1.72
दूरसंचार फैक्टरी , जबलपुर	0.49

यह अभ्यर्पण ,वित्तीय वर्ष 96-1995में कुछ दूरसंचार उपरकर प्राप्त न होने के कारण किया गया है।

इसके अलावा ,कुछ सर्कलों ने 96-1995के अंतिम अनुदान के तहत उन्हें आबंटित रकम का प्रयोग नहीं किया है। ब्यौरा विवरण –II में दिया गया है।)नीचे देखिए (। इस प्रकार की बचत मुख्यत : कुछ उपरकर प्राप्त न होने ,अदाकर्ता सर्कलों से नामे राशि प्राप्त न